अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय	**कृष्णा सोबती का संक्षिप्त परिचय**	**1 - 19**
1.1.	**व्यक्तित्व**	
1.1.1.	कृष्णा सोबती का जीवन परिचय	
1.1.1.1.	जन्म	
1.1.1.2.	शिक्षा	
1.1.1.3.	पारिवारिक जीवन	
1.1.2.	**कृष्णा सोबती के व्यक्तित्व के विविध पहलु**	
1.1.2.1.	महिला साहित्यकार के रूप में अलग पहचान	
1.1.2.2.	सादगी की कायल	
1.1.2.3.	स्वभाव	
1.1.2.4.	जिंदादिल व्यक्तित्व	
1.1.2.5.	निड़र व्यक्तित्व	
1.1.2.6.	नारी स्वतंत्रता की समर्थक	
1.1.2.7.	सुधारवादी दृष्टिकोण	
1.2.	**कृतित्व अर्थात् साहित्यिक परिचय**	
1.2.1.	लिखने की शुरूआत	
1.2.2.	उपन्यास साहित्य	
1.2.3.	कहानी संग्रह	
1.2.4.	संस्मरण	
1.2.5.	अन्य गतिविधियाँ	
1.2.6.	पुरस्कार एवं सम्मान	
	निष्कर्ष	

द्वितीय अध्याय विवेच्य कहानियों की विषयवस्तु का विवेचन **20 - 81**

2.1. कहानी की परिभाषा

2.1.1. कथावस्तु परिभाषा एवं अर्थ

2.1.2. 'बादलों के घेरे' कहानीसंग्रह की वस्तुपरक विवेचन

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय विवेच्य कहानियों में प्रतिबिंबित स्त्री–पुरुष पात्र **82-117**

3.1. समाज में नारी का स्थान

3.1.1. माँ / माता

3.1.2. बेटी

3.1.3. प्रेमिका

3.1.4. पत्नी

3.1.5. बहू

3.1.6. सास

3.2. नारी पात्रों की विशेषताएँ

3.2.1. संकोचशील नारी

3.2.2. कड़ी निगाह की नारी

3.2.3. दिल की मजबूत नारी

3.2.4. परिवार की मुखिया नारी

3.2.5. उत्कट प्यार करनेवाली नारी

3.2.6. अधिकार को जतानेवाली नारी

3.2.7. संतान से बेहद प्यार करनेवाली नारी

3.2.8. भाग्यवादी नारी

3.2.9. संन्यासी नारी

3.2.10. अतृप्त नारी

3.2.11. पश्चाताप दग्ध नारी

3.3. **पुरुष पात्र**
3.3.1. परिवार पुरूष का स्थान
3.3.1.1. पिता
3.3.1.2. पति
3.3.1.3. पुत्र
3.3.2. **पुरूष पात्रों की स्वभावगत विशेषताएँ**
3.3.2.1. आत्मिक प्रेम को महत्त्व देनेवाला पुरुष
3.3.2.2. मौन गंभीर पुरुष
3.3.2.3. पागल पुरुष
3.3.2.4. स्त्री– पुरुष समानता का पुरस्कर्ता
3.3.2.5. त्यागी पुरुष
3.3.2.6. अधिकार का संरक्षक
3.3.2.7. निड़र पुरुष
3.3.2.8. बहादूर पुरुष
3.3.2.9. स्वार्थी पुरुष
निष्कर्ष

चतृर्थ अध्याय 'बादलों के घेरे' कहानीसंग्रह में चित्रित समस्याएँ 118-137
4.1. **समस्या शब्द की व्युत्पत्ति**
4.2. **समस्या शब्द का अर्थ**
4.3. **प्रस्तुत कहानीसंग्रह की कहानियों में चित्रित समस्याएँ**
4.3.1. **सामाजिक समस्या**
4.3.1.1. पारिवारिक समस्या
4.3.1.2. द्विपत्नीत्व
4.3.1.3. स्त्री–पुरुष संबंध में द्वंद्व
4.3.1.4. दो पीढ़ियों का संघर्ष
4.3.1.5. मनोवैज्ञानिक

4.3.1.6. बीमारी की समस्या
4.3.1.7. असफल प्रेम
4.3.1.8. रिश्तें नातों में आए बदलाव
4.3.1.9. विधवा की समस्या
4.3.1.10. निःसंतान की समस्या
4.3.1.11. युवती की समस्या
4.3.1.12. भूक की समस्या
4.3.1.13. बुढ़ापे की समस्या
4.3.1.14. नारी संबंधी समस्याओं का चित्रण
4.3.1.15. अकेलापन
4.4. राजनीतिक समस्या
4.4.1. देश विभाजन की समस्या
4.4.2. आम लोगों की समस्या
4.5. धार्मिक समस्या
4.6. आर्थिक समस्या
निष्कर्ष

पंचम अध्याय विवेच्य कहानियों की भाषा शैली 138-163

5.1. भाषा का स्वरूप
5.2. भाषा का महत्त्व
5.3. विभिन्न शब्द प्रयोग
5.3.1. संस्कृत शब्द
5.3.2. अरबी शब्द
5.3.3. फारसी शब्द
5.3.4. अंग्रेजी शब्द
5.3.5. द्विरूक्ति शब्द
5.3.6. संयुक्त शब्द

5.3.7. अपशब्द शब्द
5.3.8. ध्वन्यार्थक शब्द
5.3.9. मुहावरें का प्रयोग
5.3.10. प्रतीक
5.3.11. बिंब
5.4. भाषा की विशेषताएँ
5.4.1. भावात्मक भाषा
5.4.2. पात्रानुकूल भाषा
5.4.3. अलंकारिक भाषा
5.4.4. चित्रात्मक भाषा
5.5. शैली का अर्थ
5.5.1. शैली
5.5.1.1. वर्णनात्मक शैली
5.5.1.2. आत्मकथात्मक शैली
5.5.1.3. चेतनाप्रवाह शैली
5.5.1.4. पूर्वदीप्ति शैली
5.5.1.5. पत्र शैली
5.5.1.6. काव्यात्मक शैली
5.5.1.7. विश्लेषणात्मक शैली
5.5.1.8. संवादात्मक शैली
5.5.1.9. भावात्मक शैली
5.5.1.10. पात्रहीन शैली
5.5.1.11. व्यंग्यात्मक शैली
निष्कर्ष

उपसंहार
संदर्भ ग्रंथ सूची